

इंदौर को CII ग्रीन सर्टिफिकेट प्रमाणन प्राप्त

चर्चा में क्यों?

इंदौर मध्य प्रदेश का पहला शहर तथा देश के प्रमुख तीन शहरों में से एक बन गया है जसि [CII की इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल \(IGBC\)](#) द्वारा 'ग्रीन सर्टिफिकेट' प्रमाणन प्रदान किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **इंदौर की मान्यता:**
 - यह मान्यता प्रशासन द्वारा IGBC को प्रस्तुत किये गए एक दर्जन से अधिक मापदंडों पर आधारित वसित आँकड़ों के छह माह तक चले मूल्यांकन के उपरान्त प्रदान की गई।
 - इस मूल्यांकन में मास्टर प्लानिंग, जल एवं [ऊर्जा संरक्षण](#), [ठोस अपशिष्ट प्रबंधन](#), [ई-गवर्नेंस](#), हरित आवरण के वसितार तथा विभिन्न नीतिगत हस्तक्षेपों से संबंधित शहर की पहलों को सम्मिलित किया गया।
- **पूर्व प्राप्तकर्ता**
 - IGBC द्वारा ग्रीन सर्टिफिकेट प्रमाणन प्राप्त करने वाले पूर्व शहरों में शामिल हैं:
 - राजकोट स्मार्ट सर्टिफिकेट डेवलपमेंट लिमिटेड (RSCDL)
 - पुणे नगर नगिम
 - पपिरी चचिवड़ नगर नगिम
- **IGBC ग्रीन वडियमान शहर):**
 - IGBC ग्रीन सर्टिफिकेट (वडियमान शहर) रेटिंग प्रणाली एक स्वैच्छिक एवं आम-सहमत आधारित कार्यक्रम है, जसि **IGBC ग्रीन सर्टिफिकेट कमेटी के सहयोग से वकिसति किया गया है।**
 - यह भारत की अपनी तरह की पहली रेटिंग प्रणाली है, जो वडियमान शहरों में पर्यावरणीय स्थिरता को संबोधित करती है।
 - इस प्रणाली के माध्यम से [नगर पालिकाओं](#), [नगर नगिमों](#), [वकिस प्रार्थकिरणों](#) एवं [डेवलपर्स](#) को हरति नीति हस्तक्षेप तैयार करने और शहर-स्तर पर [हरति पहलों](#) को लागू करने में सहायता मिलती है।
 - इसका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करना तथा **शहरी जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना है।**

भारतीय हरति भवन परषिद (IGBC)

- यह एक गैर-लाभकारी, सदस्य-संचालित परषिद है, जसिकी स्थापना वर्ष 2001 में [भारतीय उद्योग परसिघ \(CII\)](#) द्वारा भारत में स्थायी भवन प्रक्रियाओं को बढावा देने के लयि की गई।
- यह परषिद [आवासीय](#), [वाणजियकि](#) एवं [औद्योगकि क्षेत्रों](#) में पर्यावरण-उत्तरदायी नरिमाण और डिज़ाइन को प्रोत्साहित करने के लयि हरति [भवन रेटिंग प्रणाली](#), प्रमाणन सेवाएँ एवं प्रशकिषण कार्यक्रम प्रदान करती है।

